Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 18 Issue 02, February- 2023
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

पर्यटन उधोग के विकास में नवलगढ़ तहसील के विशेष संदर्भ में रोजगार की संभावनाओ का एक भौगालिक अध्ययन

शोद्यार्थी : प्रवीण

प्रवेक्षकः डॉ0 सुरूची पचौरी
सहायक प्राध्यापकः सामाजिक विज्ञान विभाग
डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय : इन्दौर

शोध सारांश

पर्यटन के विकसित होने से बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन होता है। यात्रा, परिवहन, होटल, रेस्टोरेंट, आतिथ्य, मोन्यूमेंटल संरक्षण, गाइड, स्थानीय व्यवसाय, हस्तशिल्प, वस्त्र उद्योग सहित पर्यटकों की आवश्यकताओं और रुचि के कई क्षेत्रों में रोजगार के अवसर हैं। आजकल स्वास्थ्य, शिक्षा, सेमीनार के क्षेत्र भी इसके पूरक बनकर उभरे हैं। एक अनुमान के अनुसार पर्यटन क्षेत्र में प्रति 10 लाख रुपए के निवेश पर रोजगार के 78 नए अवसर उत्पन्न होते हैं। वहीं मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में इतनी ही राशि का निवेश करने पर रोजगार के 45 अवसर सृजित होते हैं। पर्यटन की २ष्टि से राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों की एक विशिष्ट छवि विश्व मानचित्र पर अंकित हो चुकी है। झुंझुनूं जिला पर्यटन की दृष्टि से एक समृद्ध जिला है इसका एक समृद्ध इतिहास है। यह शेखावाटी का ह्रदय स्थल माना जाता है एवं शेखावाटी की सांस्कृतिक राजधानी के नाम से जाना जाता है। मण्डावा, महनसर, नवलगढ़, चिड़ावा और मुकुन्दगढ़ की हवेलियों की कलात्मकता और उनकी भित्तियों पर अंकित अंग्रेजीयत, देवी–देवताओं, लोकरीति–रिवाजों और मांगलिक संस्कारों के ये चित्र झुंझुनूं जिले की सांस्कृतिक गतिविधियों का परिचय भी देते है और उनके दर्षनीय होने की पुष्टि भी करते है। अतः प्रस्तुत शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य झुंझुनूं जिले की नवलगढ़ तहसील में पर्यटन उद्योग एवं रोजगाार की सम्भावनाओं की वर्तमान स्थिति का भौगोलिक आंकलन करना है। नवलगढ़ तहसील की अकुशल, अर्द्धकुशल एवं कुशल मानवशक्ति आदि सभी के लिए पर्यटन रोजगार के अनेक अवसर उत्पन्न करता है किन्तु स्थानीय संसाधनों के विकास के अभाव के कारण जितने अवसर पर्यटन रोजगार में उपलब्ध होने चाहिए उतने नहीं हों पा रहे है। अतः नवलगढ़ तहसील के पर्यटन उद्योग का विकास इस रूप में किया जाए कि यह उद्योग पर्यावरण व संस्कृति पर बिना विपरीत प्रभाव डाले, पैसा व नौकरियां पैदा करने के साथ ही वन्य जीव व वनस्पति के संरक्षण का कार्य भी करे तभी यह उद्योग लम्बे समय तक निरन्तर लाभ प्रदान करने वाले उद्योग के रूप में विकसित हो पाएगा।

शब्द कुंजी : नवलगढ़ तहसील, पर्यटन उद्योग, रोजगाार की सम्भावनाएं, आर्थिक प्रभाव

प्रस्तावनाः

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 18 Issue 02, February- 2023
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

आज पर्यटन उद्योग हमारी राज्य अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बन गया है जिसका विकास निश्चित रूप से प्रदेश के विकास को प्रभावित करता है। किसी भी प्रदेश में पर्यटन उद्योग का विकास अनेक कारकों द्वारा प्रभावित होता है जैसे कि राज्य एवं केन्द्र सरकार की नीतियों एवं योजनाओं, निवेश योजनाओं, रोजगार एवं क्षेत्रीय विकास कार्यक्रमों, इस उद्योग से जुड़े व्यवसायियों की व्यक्तिगत सन्तुष्टि एवं लाभ तथा सबसे महत्वपूर्ण इस उद्योग के विकास हेतु पर्यटन विभाग की भूमिका आदि।

अतः इस शोध पत्र में सर्वक्षण से प्राप्त समंको के प्रस्तुतीकरण व विश्लेषण द्वारा नवलगढ़ तहसील में पर्यटन के आर्थिक प्रभाव में इसके आय और रोजगार के विकास पर प्रभाव को ज्ञात करने का प्रयास किया गया है। साथ ही इस क्षेत्र के विकास हेतु शासन एवं पर्यटन विभाग की भूमिका का भी विश्लेषण किया गया। पर्यटन के आर्थिक योगदान को ज्ञात करने के लिए प्रसरण विश्लेषण का प्रयोग किया गया है।

साहित्य का अवलोकन

राजीव दुबे (1987) में अपने अध्ययन, "Toursim in the Economy of Madhya Pradesh', में पर्यटन की रोजगार क्षमता एवं वित्तीय पहलुओं का मुख्य रूप से अध्ययन किया है। उन्होंने बताया है कि किसी अर्थव्यवस्था में पर्यटन के आर्थिक महत्व को उसके राष्ट्रीय आय, रोजगार एवं सरकार को प्राप्त होने वाले कर राजस्व में योगदान के आधार पर मापा जा सकता है। प्रदेश में पर्यटन से सम्बन्धित विवसनीय आँकड़ों के अभाव के कारण पर्यटक व्यय के प्रवर्धक गुणांक का प्रासंगिक आंकलन नहीं किया जा सका। उन्होंने कहा है कि पर्यटन द्वारा उत्पन्न होने वाली मांग अन्य क्षेत्रों के विकास में योगदान देती है। अतः सुझाव दिया है कि राज्य सरकार को कन्द्रीय सरकार की सहायता से प्रदे1 में पर्यटन के विकास के लिए एक कुल योजना बनानी चाहिए।

अरूण कुमार सरकार (1998) अपने अध्ययन "Indian Tourism: Economic Planning and Strategies', में पर्यटन एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में संबंध, पर्यटन एवं रोजगार, पर्यटन के वित्तीय पहलुओं तथा भारत में पर्यटन के आर्थिक महत्व एवं पर्यटन विकास में सरकारी एवं गैर–सरकारी एजेन्सियों की भूमिका को शामिल किया है।

जी. परमसिवम एवं सक्रेट्रीज, जे. गांड (2009) ने अपने लेख, "Economics of Tourism in India', में पर्यटन के आर्थिक महत्व तथा आय, विदे मुद्रा आय एवं रोजगार सृजन में इसके योगदान का अध्ययन किया है। उन्होंने निष्कर्ष में बताया है कि पर्यटन वर्तमान समय में विश्व का एक प्रमुख उद्योग बन गया है जो रोजगार सृजन, आय एवं विश्व के अन्य देशों के साथ मधुर संबंध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने बताया है कि आर्थिक २ष्टि से पर्यटन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि

यह आय प्राप्ति का एक प्रमुख स्त्रोत है, इससे अधिसंरचना में सुधार होता है तथा यह क्षेत्रीय विकास में भी मदद करता है।

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 18 Issue 02, February- 2023
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

एच. लल्नुनमाविया (2010) ने अपने लेख "Development and Impact of Tourism Industry in India' में यह मत व्यक्त किया है कि भारत में पर्यटन उद्योग निरन्तर वृद्धि कर रहा है तथा इस उद्योग के पास रोजगार के अवसरों का सृजन करने एवं अधिक मात्रा में विदेशी विनिमय अर्जित करने की व्यापक क्षमता विद्यमान है। इसके साथ ही यह देश के सम्पूर्ण आर्थिक और सामाजिक विकास को प्रोत्साहित भी करता है। उन्होंने यह सुझाव भी दिया है कि भारत में पर्यटन की सन्तुलित वृद्धि और विकास के लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रयास में केन्द्र और राज्य सरकार के सभी पक्षों, निजी क्षेत्रों तथा अन्य स्वैच्छिक संगठनों को एक क्रियाग्रोल सहयोगी के रूप में प्रयास करना चाहिए ताकि भारत पर्यटन उद्योग के क्षेत्र में वैश्विक अभिनेता बन सके।'

डॉ. मनोज पी. के. (अप्रेल 2016) ने ''डिटरमिनेन्ट ऑफ सस्टेनेबिलिटी ऑफ रूरल टुरिज्म : ए स्टडी ऑफ टुरिस्टस एट कुम्बलंगी इन केरल, इंडिया'' नामक लेख लिखा। यह लेख पर्यटन क्षेत्र की आर्थिक विकास तथा व्यवसायों हेतु असीम संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में पहचान करता है। इस लेख के अनुसार राष्ट्रीय सरकार के गंभीर प्रयासों के परिणाम स्वरूप पर्यटन विकसित हो रहा है।

शोध पत्र के उद्दे''य –

☐ झुंझुनूं जिले की नवलगढ़ तहसील में पर्यटन उद्योग एवं रोजगाार की सम्भावनाओं की वर्तमान स्थिति का भौगोलिक आंकलन करना।

भाोध पत्र की परिकल्पनाएं –

☐ नवलगढ़ तहसील में पर्यटन उद्योग इस व्यवसाय में कार्यरत व्यवसायियों की आय मेंमहत्व पूर्ण योगदान देने में असफल है।

☐ नवलगढ़ तहसील में पर्यटन उद्योग रोजगार के स्थायी अवसरों का सृजन करने में महत्वपूर्ण योगदान देने में असफल है।

आकड़ों का संग्रहण एवं शोध अध्ययन विधि :–

प्रस्तुत शोध पत्र में प्राथमिक एवं द्वितीयक आकड़ों का प्रयोग किया गया है। द्वितीयक ऑकड़ें सरकारी विभागों, प्रकाशित पुस्तकों, पत्र पत्रिकाओं, समाचार पत्रों, मीडिया, न्यूज चैनल एवं विभिन्न वेबसाइटों आदि की सहायता से प्राप्त किये गए हैं।

प्रस्तुत शोध पत्र में वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध अध्ययन विधियों को अपनाया गया है।

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 18 Issue 02, February- 2023
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

समंकों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतीकरण

प्रस्तुत शोध पत्र में संकलित समंकों का विश्लेषण एवं प्रस्तुतीकरण करने के लिए प्रतिशत विधि तथा परिकल्पना के परीक्षण के लिए काई–वर्ग परीक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। शोध विषय से संबंधित सभी महत्वपूण जानकारी प्राप्त हो सके इसके लिए शोधार्थी ने दैव–निदर्शन विधि का प्रयोग किया है। उत्तरदाताओं का चुनाव करने में अधिकतम सावधानी रखी गयी है ताकि जो भी तथ्य एवं जानकारी प्राप्त हो वो सम्पूर्ण संमग्र का प्रतिनिधित्व कर सके।

व्याख्या एवं विश्लेषण

नवलगढ़ तहसील में पर्यटन क्षेत्र के आर्थिक प्रभाव के अन्तर्गत इसके आय, रोजगार सृजन, स्थानीय संसाधनों के विकास, स्थानीय अधोसंरचना के विकास आदि में इसके योगदान को ज्ञात करने का प्रयास किया गया है। इसमें उपरोक्त चार चरों के लिए 16 महत्वपूर्ण कथनों पर पर्यटन हितधारियों द्वारा दिए गए मतों एवं प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण एक–मार्गीय प्रसरण–विश्लेषण सांख्यिकीय विधि द्वारा किया गया है। साथ ही नवलगढ़ तहसील में पर्यटन के सम्पूर्ण विकास हेतु शासन व पर्यटन विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयासों एवं उनकी भूमिका को ज्ञात करने के लिए 4 महत्वपूर्ण कथनों पर पर्यटक व्यवसायियों द्वारा दिए गए मतों, प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण भी एक–मार्गीय प्रसरण–विश्लेषण विधि का प्रयोग करके किया गया है।

अध्ययन के उद्देश्यों पर आधारित चार महत्वपूर्ण परिकल्पनाओं का परीक्षण करने के भी प्रसरण–विश्लेषण विधि का प्रयोग किया गया है।

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 18 Issue 02, February- 2023
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

तालिका क्रमांक संख्या – 1

पर्यटन के आय में योगदान का सांख्यिकीय माप

क्र. स	चर विवरण	सर्वेक्षण क्षेत्र गांव का नाम	न्यादर्श का आकार	माध्य	प्रसरण	प्रमाप विचलन	प्रमाप विभ्रण
1.	आय	अजीतपुरा	20	12.00	2.258	1.865	0.255
2.	आय	मील नगर	20	11.235	3.454	1.878	0.241
3.	आय	बसावा	20	10.115	2.557	1.235	0.178
4.	आय	जाखल	20	10.545	3.654	2.355	0.295
5.	आय	रामपुरा	20	11.245	2.546	1.778	0.335
6.	आय	गोथरा	20	11.215	4.556	1.897	0.235
7.	आय	नवलगढ.	20	12.215	5.235	1.961	0.315
8.	आय	टोगरा कला	20	10.455	4.321	1.925	0.258
	कुल		160	89.025	28.025	14.894	2.112

उपरोक्त तालिका क्रमांक 1 में पर्यटन के आय में योगदान के सांख्यिकीय माप जैसे न्यादर्श का आकार, माध्य, प्रसरण, प्रमाप विचलन एवं प्रमाप विभ्रण आदि का विश्लेषण दर्शाया गया है। नवलगढ़ तहसील में सर्वेक्षित क्षेत्रों के पर्यटन हितधारियों द्वारा पर्यटन क्षेत्र के आय में योगदान के संदर्भ में दी गयी प्रतिक्रियाओं का सांख्यिकीय विश्लेषण करने से ज्ञात होता है कि पर्यटन के आय के योगदान के संबंध में सवेर्क्षित क्षेत्रों के मध्य आय का माध्य अनुपात क्रमशः 12, 11.235, 10.115, 10.545, 11.245,

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 18 Issue 02, February- 2023
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

11.215, 12.215, और 10.455 है। विश्लेषण से स्पष्ट है कि नवलगढ की माध्य संख्या सर्वाधिक है, जबकि बसावा की माध्य संख्या सबसे कम है। माध्य संख्या जितनी अधिक होगी पर्यटन का आय में योगदान उतना ही अधिक होगा। इसके विपरीत माध्य संख्या जितनी कम होगी, पर्यटन का आय में योगदान उतना की कम होगा। अतः नवलगढ़ में पर्यटन उद्योग से जुड़े हितधारियों की आय में सर्वाधिक वृद्धि हुई है तथा उनके आर्थिक स्थिति में सुधार आया है जबकि अजीतपुरा में उससे कम एवं बसावा में पर्यटन हितधारियों की आय में सबसे कम वृद्धि हुई है।

तालिका क्रमांक संख्या 2

नवलगढ़ तहसील में पर्यटन क्षेत्र के आय में योगदान का एक–मार्गीय प्रसरण–विश्लेषण

Source of Variation	SS	df	MS	F-Valaue	P-value	F-crit	टिप्पणी
Between Groups	19.215	2	9.147	2.125	0.1275	3.144	P>0.05
Within Groups	675.150	157	5.554	2.125	0.1275	3.144	P>0.05
Total	64.365	157	14.701				

उपरोक्त तालिका क्रमांक 2 में नवलगढ़ तहसील में पर्यटन क्षेत्र के आय में योगदान के एक मार्गीय प्रसरण विश्लेषण को दर्शाया गया है। v1=2 तथा v1=157 के लिए 5% सार्थकता स्तर अर्थात F.05 पर सारणी मान 3.144 है जो कि इसके निकाले गये मान 2. 125 से अधिक है अर्थात Fe < F.05 अथवा 2.125 < 3.144। अतः हमारी शून्य परिकल्पना कि 'नवलगढ़ तहसील में पर्यटन उद्योग इस व्यवसाय में कार्यरत व्यवसायियों की आय में महत्वपूर्ण योगदान देने में असफल है स्वीकार की जाती है।

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 18 Issue 02, February- 2023
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

तालिका क्रमांक संख्या – 3

नवलगढ़ तहसील में पर्यटन क्षेत्र के रोजगार सृजन में योगदान का सांख्यिकीय माप

क्र. स	चर विवरण	सर्वेक्षण क्षेत्र गांव का नाम	न्यादर्श का आकार	माध्य	प्रसरण	प्रमाप विचलन	प्रमाप विभ्रण
1.	रोजगार	अजीतपुरा	20	12.125	1.598	1.315	0.105
2.	रोजगार	मील नगर	20	12.235	2.054	1.425	0.151
3.	रोजगार	बसावा	20	11.225	1.525	1.115	0.156
4.	रोजगार	जाखल	20	11.755	2.251	1.105	0.147
5.	रोजगार	रामपुरा	20	10.945	1.216	1.256	0.254
6.	रोजगार	गोथरा	20	12.445	2.116	1.117	0.145
7.	रोजगार	नवलगढ.	20	13.515	2.205	1.542	0.225
8.	रोजगार	ट्योगरा कला	20	12.165	4.321	1.326	0.205
	कुल		160	96.41	17.286	10.201	1.388

उपरोक्त तालिका क्रमांक 3 में पर्यटन के रोजगार सृजन में योगदान के सांख्यिकीय मापो ं जैसे न्यादश का आकार, माध्य, प्रसरण, प्रमाप विचलन एवं प्रमाप विभ्रण आदि को दर्शाया गया है। नवलगढ़ तहसील में सर्वेक्षित क्षेत्रों में पर्यटन व्यवसाय में संलग्न हितधारियों द्वारा पर्यटन क्षेत्र के रोजगार सृजन में योगदान के संबंध में दी गयी प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करने से ज्ञात होता है कि पर्यटन के रोजगार के अवसरों के सृजन के संबंध में सर्वेक्षित क्षेत्रों के मध्य रोजगार का माध्य अनुपात क्रमशः 12.125, 12.235, 11.225, 11.755, 10.945, 12.445,

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 18 Issue 02, February- 2023
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

13.515, और 12.165 है। विश्लेषण से स्पष्ट है कि नवलगढ़ की माध्य संख्या सर्वाधिक है, जबकि रामपुरा की माध्य संख्या सबसे कम है। माध्य संख्या जितनी अधिक होगी पर्यटन का रोजगार के अवसरों के सृजन में योगदान उतना ही अधिक होगा। इसके विपरीत माध्य संख्या के कम होने पर पर्यटन का रोजगार सृजन में योगदान उतना की कम होगा। अतः नवलगढ़ में पर्यटन क्षेत्र द्वारा सर्वाधिक रोजगार अर्थात् नौकरियों का सृजन किया गया है। जबकि मील नगर में उससे कम नौकरियों का सृजन पर्यटन क्षेत्र द्वारा हुआ है एवं रामपुरा में पर्यटन

क्षेत्र द्वारा सबसे कम नौकरियों का सृजन हुआ है।

तालिका क्रमांक संख्य_4

नवलगढ़ तहसील में पर्यटन के रोजगार सृजन में

योगदान का एक–मार्गीय प्रसरण विश्लेषण

Source of Variation	SS	df	MS	F-Valaue	P-value	F-crit	fVIi.kh
Between Groups	37.245	2	17.987	9.445	0.0025	3.085	P<0.05
Within Groups	246.215	157	2.845	9.445	0.225	3.085	P<0.05
Total	283.46	157					

Journal of Interdisciplinary and Multidisciplinary Research (JIMR)
E-ISSN:1936-6264| Impact Factor: 8.886|
Vol. 18 Issue 02, February- 2023
Available online at: https://www.jimrjournal.com/
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

उपरोक्त तालिका में नवलगढ़ तहसील में रोजगार के अवसरों के सृजन में योगदान के एक–मार्गीय प्रसरण विश्लेषण को दर्शाया गया है। तालिका से स्पष्ट है कि अ1त्र2 तथा v1=157 के लिए 5% सार्थकता स्तर अर्थात F.05 पर 'F' का सारणी मान 3.085 है जो कि इसके परिकलित मान 9.445 से कम है अर्थात् Fe > F.05 अथवा 9.445 > 3.085। अतः हमारी शून्य परिकल्पना कि नवलगढ़ तहसील में पर्यटन उद्योग रोजगार के स्थायी अवसरों का सृजन करने में महत्वपूर्ण योगदान देने में असफल है' अस्वीकार की जाती है। इससे स्पष्ट होता है कि नवलगढ़ तहसील में पर्यटन उद्योग से लोगों को स्थायी एवं सामान्य रोजगार प्राप्त हो रहा है। साथ ही नवलगढ़ तहसील की अकुशल, अर्द्धकुशल एवं कुशल मानवशक्ति आदि सभी के लिए पर्यटन रोजगार के अनेक अवसर उत्पन्न करता है किन्तु स्थानीय संसाधनों के विकास के अभाव के कारण जितने अवसर पर्यटन रोजगार में उपलब्ध होने चाहिए उतने नहीं हों पा रहे है।

निष्कर्ष एवं सुझाव नवलगढ़ तहसील एक ग्राम प्रधान क्षेत्र है, जहाँ के ग्रामीण अंचलो में बिखरी पड़ी अनछुई प्रातिक छटा, सांस्"तिक व ऐतिहासिक धरोहर एवं जन–जीवन में ग्रामीण पर्यटन की अपार संभावनाएँ है।

ग्रामीण पर्यटन ग्रामीण क्षेत्रों के विकास की महत्वपूर्ण कुंजी है। अतः नवलगढ़ तहसील में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु शासन द्वारा व्यवस्थित प्रयास किये जाने चाहिए। पर्यटन के सम्पूर्ण आर्थिक लाभ तभी प्राप्त हो सकते है जब स्थानीय लोगों को इस क्षेत्र से जोड़ा जाए। स्थानीय नागरिकों को पर्यटन क्षेत्र से होने वाले आर्थिक लाभों से अवगत कराना चाहिए। पर्यटन के माध्यम से स्थानीय संसाधनों का अधिक प्रयोग किया जाना चाहिए। स्थानीय संसाधनो उचित प्रयोग होने व हस्तालप एवं हथकरघा उद्योगों का विकास होने से ग्रामीण जनसंख्या को रोजगार मिलेगा जिससे शहरो की ओर उनके पलायन को रोका जा सकता हैं। होटल एवं रेस्ट्रोरेन्ट क्षेत्र में रोजगार के नये अवसरों का सृजन करन तथा नवलगढ़ तहसील में बेरोजगारी एवं गरीबी की समस्या को कम कर सकती है। साथ ही पर्यटन केन्द्रों एवं टूरिस्ट सर्किट को जोड़ने वाले मार्गों पर पर्यटन सुविधाओं में वृद्धि होनी चाहिए जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हो सके।

संदर्भ सूची

[1] Dube, Rajiv (1987): "Tourism in the Economy of Madhya Pradesh', Daya

Publishing House, New Delhi, p. 139-145.

[2] Sarkar, Arun Kumar (1998): "Indian Tourism: Economic Planning and

Strategies', Kanishka Publishers, New Delhi.

[3] Paramasivan G. and Gand Scratees J. (2009): "Economics of Tourism in India'

In Southern Economist Vol. XXXX VII No. 15, p 19-20.

[4] Lalnunmawia, H. (2010): "Development and Impact of Tourism Industry in India http://trcollege.net/articles/74-development-and-impact-of-tourism-industry-in-india

[5] Chawla, Romila (2003): "Tourism in India- Perspective and Challenges', Sonali

Publications, New Delhi, p.136.

[6] Gill S., Pushpinder (1997): "Tourism Economic and Social Development',

Anmol Publications, New Delhi, p.23-42

[7] Metcalf, Hilary (1987): "Employment Structure in Tourism and Leisure', IMS

Report No. 143, University Sussex, Brigton.

[8] Krishan, F. (2010): Tourism and Economic Growth', European Journal of

Social Sciences, Vol.15, No.2, p.63-68